<u>असम की पारम्परिक कला एवं संस्कृति</u>

असम उतर पूर्व भारत में अवस्थित एक सुंदर राज्य है। ब्रिटिस शासन से पूर्व असम राज्य में 'आहोम' राजा ने लगभग 600 वर्ष राज किये थे। आहोम लोग बहुत शाक्तिशाली है 'अहोम' शब्द से ही असम नाम बना है।

'अहोम' शासन मे ही असम की कला एवं संस्कृति का क्रमबद्ध तरीके से विकाश हो रहा है असम में रहने वाले सभी जाति और बाहर के अन्य प्रदेशो से आये हुये व्यवसायी भी विहू पर्व मनाते है।

विहू संक्रांति पूजा है । बिहू तीन प्रकार के होते है।

1 - काति अथवा कंगाली।

2 - माघ अथवा भोगाली।

3 - वहाग अथवा रंगोली।

काति विहू में लक्ष्मी व तुलसी की पूजा होती है। यह फसल काटेने से पहले मनाया जाता है।

माघ विहू में फसल काटने के बाद मनाया जाता है। इसमें अग्नि की पूजा की जाती है।

वहाग विहू वसन्त ऋतु में मनाया जाता है।जिसमें गाय की पूजा की जाती हैं।

असम का प्रधान पर्व विहू नृत्य है । जिसमें प्रयोग होने वाले वाद्ययंत्र हैं। - ढ़ोल, ताल, पेपा, वांही, तवका, गगना हैं । विहू पर्व में लड़कियों लालरंग का ब्लाउज, मूगा, सादा चादर मेजला

गामखारु,कोपोफुल, लाल बिन्दी परिधान करती हैं। लड़को मे सफेद धोती गमछा और मूंगा सर्ट पहनते है।

नवोदया विधालय समिति माइग्रैशन पॉलिसी के अंतर्गत जवाहर नवोदया विधालय कन्नौज (उतर प्रदेश)के छात्र-छात्रा जवाहर नवोदया विधालय, मोरीगाँव (असम) जाते है, और उतने ही छात्र - छात्रा यहा आते है कला प्रतियोगिता के अन्तरगत विषय असम की पारंपरिक कला एंव संस्कृति पर आधारित हैं। जिसमें कुल 7 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया जिनमे 4 विद्यार्थियों के कार्यो का विवरण निम्न प्रकार है।

छात्र मास्टर लक्ष्य ज्योतिनाथ कक्षा- 9, के द्वरा बनायी गयी पेंटिंग असम में रहने वाले असम जनजाति का आवास, विश्वविख्यात एक सींग वाला गैंडा जो काजीरंगा पार्क असम में ही मिलता है, भैस लड़ाने की प्रतियोगीता, जपी, विहू नृत्य, असम का मानचित्र आदि पेंटिंग मे बनाया गया है जो मनमोहक हैं।

छात्रा लक्ष्मी चौहान कक्षा-9, इन्होने विहू नृत्य,ढ़ोल,पेपा,जापी और गमछा आदि प्रतिको को बनाया गया है जिसमे असम विहू नृत्य की झलक दिखायी देती हैं।

छात्र केशव कुमार कक्षा-10, इन्होने ढ़ोल, पेपा, जापी(टोपी),मछली पकड़ने की सामग्री जिसे उतर प्रदेश मे 'ताप' कहते हैं। इसमें असम की कला के प्रतीक की झलक दिखती हैं।

छात्रा साक्षी कक्षा-9, ने विहू नृत्य में प्रयोग होने वाले वाद्ययंत्र, मछ्ली पकड़ने वाला यंत्र को बनाया गया है जो असम कला और संस्कृति को दर्शाता हैं।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' माइग्रेशन पॉलिसी के चलते बच्चों में कला और संस्कृति का आदान-प्रदान संभव हुआ है जिससे असम की पारम्परिक कला एंव संस्कृति को दर्शाने में संभव हो सका हैं।